अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 17.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

आचार्य कालूगणी–35

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) कालूगणी का जन्म राशि के अनुसार क्या नाम रखा गया?

(ख) बालक कालू की प्राथमिक पढ़ाई किसके पास हुई?

(ग) 'तुमने दीक्षा के लिए पारिवारिक-जनों की स्वीकृति प्राप्त कर ली है?' श्रावक शोभाचन्द जी बैंगानी के इस प्रश्न का कालू ने क्या जवाब दिया?

(घ) 'पूर्वे वयसियोलग्न : संस्कारोनान्यथा भवेत्' इन नीति कथन का अर्थ लिखें।

(ङ) आचार्य डालगणी ने जो उत्तराधिकार-पत्र लिखा कितने व किन व्यक्तियों के हाथों तक पहुंच कर उनके 'पुट्ठे' में रख दिया गया?

(च) नये आचार्य पद-ग्रहण के समय संवैधानिक स्वीकृति को अस्वीकार करने का क्या अर्थ होता है?

(छ) घुटनों की पीड़ा के उपचार के लिए कालूगणी ने किसका प्रयोग किया?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए– 10

(क) 'पहले पत्र पढ़ें' मुनि कालू के इस आग्रह पर मुनि मगनलाल जी ने आचार्य नियुक्ति-पत्र हेतु क्या कहा?

(ख) आचार्य कालूगणी ने प्रथम मर्यादा महोत्सव पर कितने सिंघाड़े नये बनाये। उनमें से साध्वियों के सिंघाड़े के नाम लिखें।

(ग) धर्मग्रन्थों का संग्रह करने वाले श्रावक कौन-कौन से थे?

(घ) यति जी ने पंडित रघुनन्दन जी को कालूगणी की क्या-क्या विशेषताएं बताई?

(ङ) आंतरिक विद्रोह के कारण कालूगणी ने कौन से पांच सन्तों को संघ से पृथक कर दिया?

(च) बालक मुनि बुद्धमल को पंचमी से आने में देर होने पर कालूगणी ने एक मुनि को लाने के लिए भेजते हुए क्या कहा?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'कालूगणी और मुनि मगनलाल जी की आत्मीयता सारे संघ के लिए आज भी प्रेरक उदाहरण बनी हुई है।' इस कथन को सिद्ध करें।

(ख) 'भार की पुनर्व्यवस्था' पर टिप्पणी लिखें।

(ग) कालूगणी के अन्तिम दर्शन पाने व समाचार प्राप्त करने हेतु गंगापुर में जन-सैलाब उमड़ पड़ा। इन विविध व्यवस्थाओं को किस प्रकार निष्पादित किया गया?

प्र. 4 कालूगणी के समय सामाजिक झगड़ा क्या था और उसमें कालूगणी ने किस प्रकार तटस्थ नीति अपनायी? 14

अथवा

'कालूगणी का मार्ग-दर्शन असत् को रोकने एवं सत् की ओर प्रवृत्त करने वाला था।' इस कथन को कोई तीन दृष्टांतों के द्वारा सिद्ध करें।

युग प्रधान आचार्य तुलसी–35

प्र. 5 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) जयाचार्य निर्वाण शताब्दी को कब और किस नाम से मनाया गया?

(ख) आचार्य तुलसी दीक्षा के तत्काल बाद प्रथम बार कितने किलोमीटर चले?

(ग) आचार्य तुलसी ने राजस्थान से गुजरात की यात्रा कितनी बार की?

(घ) राहुल सांकृत्यायन के अनुसार हिन्दुस्तान में कौन सा व्यक्ति सफल होता है?

(ङ) आचार्य तुलसी के साहित्य को कौन सी विद्या का उत्कृष्ट नमूना कहा गया?

(च) हिन्दी गद्य साहित्य में आचार्य तुलसी की सर्वोत्तम कृति कौन सी है और उसे कब लिखा गया?

(छ) आचार्य तुलसी ने धर्म और सम्प्रदाय की तुलना किससे की?

(ज) आचार्य तुलसी ने कथ्य की दृष्टि से अणुव्रत का क्या तात्पर्य बताया?

(झ) अणुव्रत का कार्य प्रारम्भ करने के बाद आचार्य श्री अपना परिचय किस प्रकार देते थे?

(ञ) 'धर्म खतरे में है' यह नारा किसने दिया?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) जैन विश्व भारती की स्थापना कब हुई और किन उद्देश्यों को लेकर हुई?

(ख) जैन एकता के अधूरे स्वप्न की चर्चा आचार्य तुलसी ने श्रावक संबोध में किस पद्य में की?

(ग) वर्तमान में कितनी ज्ञानशालाओं में कितने प्रशिक्षक एवं ज्ञानार्थी हैं?

प्र. 7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'संसदीय गतिरोध की समाप्ति' पर टिप्पणी लिखें।

(ख) 'आचार्य तुलसी ने पद विसर्जन कर त्याग का महान आदर्श उपस्थित किया' इस कथन को सिद्ध करें।

(ग) साहित्यकारों की श्रृंखला का निर्माण करने के लिए आचार्य तुलसी ने क्या-क्या प्रयोग किए?

प्र. 8 आचार्य तुलसी ने दलित एवं अछूत वर्ग के उत्थान के लिए क्या-क्या क्रान्तिकारी कदम उठाए? विस्तार से प्रकाश डालें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी महान समाज-सुधारक थे।

तुलसी-प्रबोध–21

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) एक बार.....उपसंहार हो।।

(ख) दिया किता.....अनिवार हो।।

(ग) 'निकाय व्यवस्था' वाला पद्य।

(घ) बगड़ी रो.....धमाकेदार हो।।

(ङ) क्रमिक सुधार.....जगार हो।।

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों को लिखें– 9

(क) अंग-अंग.....देवकुमार हो।।

(ख) खींवो चम्पो.....उधार हो।।

(ग) बोली मां.....आर-पार हो।।

(घ) लाल कोटड़ी.....दरबार हो।।

(ङ) बुद्धीजीवी.....गुंजार हो।।

तेरापंथ-प्रबोध–9

प्र. 11 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) श्रावक बाग.....विचार हो।।

(ख) जोधाणै री.....बेंरैवार हो।।

(ग) हेम-हजारी.....अविचार हो।।

(घ) मुहुरत बाद.....उदार हो।।

(ङ) महाप्रज्ञ-सा.....साझीदार हो।।